मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **16**

अनुक्रमांक ....

नाम ......

102 **302(DJ)**

2021

सामान्य हिन्दी

समय : 2 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **दो खण्ड** हैं । **दोनों खण्डों** के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड-क)

1. प्रश्न संख्या **1** एवं **2** में से किसी **एक प्रश्न** को हल कीजिए । 5 × 2 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या **3** एवं **4** में से किसी **एक प्रश्न** को हल कीजिए । 5 × 4 = 20 अंक

3. प्रश्न संख्या **5 (क)** एवं **5 (ख)** में से किसी **एक प्रश्न** को हल कीजिए । 6 + 4 = 10 अंक

4. प्रश्न संख्या **6** एवं **7** में से किसी **एक प्रश्न** को हल कीजिए । 10 अंक

(खण्ड-ख)

5. प्रश्न संख्या **8 (क)** एवं **8 (ख)** में से किसी **एक प्रश्न** को हल कीजिए । 10 + 4 = 14 अंक

6. प्रश्न संख्या **9** .... 2 अंक

7. प्रश्न संख्या **10** एवं **11** में से किसी **एक प्रश्न** को हल कीजिए । 13 अंक

(प्रश्न **10 (क)** = 3 × 3 = 9 अंक, प्रश्न **10 (ख)** = 2 × 2 = 4 अंक, प्रश्न **11** = 5 × 2 = 10 अंक, प्रश्न **11 (घ)** = 1½ + 1½ = 3 अंक)

8. प्रश्न संख्या **12** एवं **13** में से किसी **एक प्रश्न** को हल कीजिए । 12 अंक

(प्रश्न **12** = 4 × 3 = 12 अंक, प्रश्न **13** = 8 + 4 = 12 अंक)

9. प्रश्न संख्या **14** .... 9 अंक

(खण्ड-क)

1. क) 'विचार और वितर्क' के लेखक हैं
   i) हरिशंकर परसाई
   ii) वासुदेवशरण अग्रवाल
   iii) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
   iv) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

   ख) वासुदेवशरण अग्रवाल रचयिता हैं
   i) कल्पवृक्ष के
   ii) पूर्वोदय के
   iii) धरती के फूल के
   iv) साहित्य-सहचर के ।

   ग) 'ब्राह्मण' पत्र के सम्पादक हैं
   i) बालकृष्ण भट्ट ii) प्रतापनारायण मिश्र
   iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र iv) यशपाल ।

   घ) आधुनिक गद्य का जनक माना जाता है
   i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' को
   ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी को
   iii) रायकृष्ण दास को
   iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को ।

   ङ) 'आलोक पर्व' की विधा है
   i) उपन्यास ii) नाटक
   iii) निबन्ध iv) कहानी ।

2. क) हिन्दी साहित्य का प्रथम कवि माना जाता है
   i) सरहपा को ii) नरपति नाल्ह को
   iii) चन्दवरदायी को iv) जगनिक को ।

   ख) प्रगतिवादी युग के कवि हैं
   i) नागार्जुन
   ii) गिरिजाकुमार माथुर
   iii) शिवमंगल सिंह सुमन
   iv) श्रीधर पाठक ।

   ग) 'अधखिला फूल' रचना की विधा है
   i) नाटक ii) उपन्यास
   iii) काव्य iv) चम्पू काव्य ।

   घ) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है
   i) अनघ ii) प्रेम-सरोवर
   iii) चित्राधार iv) गीतिका ।

   ङ) नयी कविता युग की रचना है
   i) यामा
   ii) प्रलय-सृजन
   iii) धूप के धान
   iv) आँगन के पार द्वार ।

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यह प्रणाम-भाव ही भूमि और जन का बन्धन है । इसी दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है । इसी दृढ़ चट्टान पर राष्ट्र का चिर जीवन आश्रित रहता है । इसी मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्तव्य और अधिकारों का उदय होता है । जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के सम्बन्ध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है । माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य है । वह एक निष्कारण धर्म है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) किस दृढ़ भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है ?

iii) किस मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्तव्य और अधिकारों का उदय होता है ?

iv) किस पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है ?

v) पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य क्या है ?

अथवा

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह ऊर्जा का ही स्वरूप है । जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं । इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह किसका स्वरूप है ?

iii) महर्षि अरविन्द ने क्या कहा है ?

iv) कौन एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं ?

v) कैसी इच्छा रखना शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

तदनन्तर बैठी सभा उटज के आगे,
नीले वितान के तले दीप बहु जागे ।
टकटकी लगाये नयन सुरों के ये वे,
परिणामोत्सुक उन भयातुरों के थे वे ।
उत्फुल्ल करौंदी-कुंज वायु रह रहकर,
करती थी सबको पुलक-पूर्ण मह महकर ।
वह चन्द्रलोक था, कहाँ चाँदनी वैसी,
प्रभु बोले गिरा गभीर नीरनिधि जैसी ।

i) उपर्युक्त कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) किसके नीचे नक्षत्र रूपी असंख्य दीपक जगमगा रहे थे ?

iii) रात्रि के वातावरण में तारागण किसके सदृश दिखाई दे रहे थे ?

iv) कहाँ से आती हुई सुगन्धित वायु सभा में बैठे लोगों को रोमाञ्चित कर रही थी ?

v) 'वह चन्द्रलोक था, कहाँ चाँदनी वैसी' का अभिप्राय लिखिए ।

अथवा

किन्तु नर-प्रज्ञा सदा गतिशालिनी, उद्दाम,
ले नहीं सकती नहीं रुक एक पल विश्राम ।
यह परीक्षित भूमि, यह पोथी पठित, प्राचीन,
सोचने को दे उसे अब बात कौन नवीन ?
यह लघुग्रह भूमिमण्डल, व्योम यह संकीर्ण,
चाहिए नर को नया कुछ और जग विस्तीर्ण ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) कवि ने नर-प्रज्ञा के सम्बन्ध में क्या सन्देश दिया है ?

iii) 'संकीर्ण' और 'विस्तीर्ण' का अर्थ लिखिए ।

iv) भूमि और आकाश किसको नहीं छिपा सकते ?

v) 'जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम' का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) जयशंकर प्रसाद ii) **सुमित्रानन्दन पन्त**

iii) महादेवी वर्मा ।

6. **'ध्रुवयात्रा' कहानी का सारांश लिखिए ।**

अथवा

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

v) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अभिशाप' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकवि: वाल्मीकि:, महर्षि व्यास:, कविकुलगुरु: कालिदास: अन्ये च भास-भारविभवभूत्यादयो । महा कवय:, स्वकीयै: ग्रन्थरत्नै: अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभि: मातृसमं सम्माननीया नन्दनीया च, यतो भारतमातु: स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वञ्च सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति ।

अथवा

हिन्दी-संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समान: अधिकार: आसीत् । हिन्दी-हिन्दुहिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् शिक्षयैव देशे समाजे च नवीन: प्रकाश: उदेति अत: श्रीमालवीय: वाराणस्यां काशीविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशाल: विश्वविद्यालय: भारतीयानां दानशीलताया: श्रीमालवीयस्य यशस: च प्रतिमूर्तिरिव विभाति ।

(ख) दिये गये संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ।।

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा-परायणा: ।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनो: क्वचित् ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(i) अन्धे की लकड़ी होना

(ii) सावन हरे न भादो सूखे

(iii) पापड़ बेलना

(iv) दाल में काला होना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही **विकल्प का चयन कीजिए :**

(i) 'अन्वेषणम्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) अन्वे + षणम् (ब) अनु + एषणम्

(स) अन + वेषणम् (द) अनौ + एषणम्।

(ii) 'राजर्षिः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) राज् + ऋषिः (ब) रा + जर्षिः

(स) राज + ऋषिः (द) राज्ञः + ऋषिः।

(iii) 'नयनम्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) नय + नम् (ब) नै + अनम्

(स) नै + नम् (द) ने + अनम्।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' का सही चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन ।

(ii) 'नामसु' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन

(स) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन ।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) वसन-व्यसन –

(अ) विवश और व्याकुल

(ब) वस्त्र और आदत

(स) कवच और भोजन

(द) विस्तार और अवधि ।

(ii) अंश-अंस –

(अ) भाग और अंकुर

(ब) हिस्सा और पक्षी

(स) हिस्सा और कन्धा

(द) कन्धा और हिस्सा ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए :

(i) अम्बर (ii) द्विज

(iii) पतंग ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) किए गए उपकार को न मानने वाला –

(अ) कृतज्ञ (ब) कृतघ्न

(स) घृणास्पद (द) अनाथ ।

(ii) जो पहले कभी न हुआ हो –

(अ) अद्वितीय (ब) अनुपम

(स) अभूतपूर्व (द) अपवाद ।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) इस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं ।

(ii) सम्मेलन में कवित्री ने भाग लिया ।

(iii) एक फूल की माला लाओ ।

(iv) क्या वह अपनी परीक्षा दी ?

12. (क) 'करुण' रस **अथवा** 'शान्त' रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिए।

(ख) 'श्लेष' अलंकार **अथवा** 'उपमा' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए ।

(ग) 'चौपाई' छन्द **अथवा** 'दोहा' छन्द का लक्षण लिखकर उसका एक उदाहरण भी लिखिए ।

13. अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए ।

अथवा

किसी बैंक के शाखा-प्रबन्धक को पुस्तक एवं लेखन-सामग्रीं की दूकान खोलने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

(i) पर्यावरण सन्तुलन में वृक्षारोपण का महत्व

(ii) 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई'

(iii) साहित्य में लोक-कल्याण की भावना

(iv) बढ़ती जनसंख्या तथा रोजगार की समस्या ।